Page→1 (Class→5(A+B))

संस्कृत

नोट :→ दो या दो से अधिक वर्णों से बने ऐसे समूह को शब्द कहते है जिसका कोई न कोई अर्थ निकलता हो, या वर्णों या ध्वनियों के सार्थक वर्णसमुदाय को शब्द कहते है।

शब्द दो प्रकार के :→

स्वरान्त ↓

व्यञ्जनान्त ↓

राम (र् + आ + म् + अ)

मनस् (म् + अ + न् + अ + स्)

'अ' की मात्रा (चिह्न) नहीं होती है

जैसे 'क' (क् + अ)   त (त् + अ)

म (म् + अ)

ये सब स्वरान्त है।

जैसे :→ काक (क् + आ + क् + अ) ये स्वरान्त शब्द है। क्योंकि इसके अन्त में 'अ' स्वर है।

जैसे :→

जगत् (ज् + अ + ग् + अ + त्) ये व्यञ्जनान्त है। क्योंकि इसके अन्त में 'त्' व्यञ्जनान्त है।

Page → 2 (class → A & B)

1. शब्दों को छाँटकर लिखें,

कृषि, पयस्, नदी, पशु, गुणिन्, तेजस्विन्, राष्ट्र, धन

स्वरान्त	व्यंजनान्त
कृषि	पयस्
नदी	गुणिन्
पशु	तेजस्विन्
राष्ट्र	
धन	

2. वर्णों को जोड़कर शब्द बनाएँ,

क) ह् + अ + र् + इ → हरि
ख) न् + अ + द् + ई → नदी
ग) प् + अ + य् + अ + स् → पयस
घ) व् + ऋ + क् + ष् + अ → वृक्ष
ङ) र् + अ + क् + त् + अ → रक्त
च) स् + त् + अ + द् → स्तद्
छ) ब् + र् + आ + ह् + म् + अ + न् → ब्राह्मण

3. दिये गये शब्दों के अन्तःस्थ वर्णों को पहचानें,

क) कर्ता → र्
ख) वाणी → व्
ग) व्यास → व्, य्
घ) लघु → ल्
ङ) रावण → र्, व्
च) माया → य्

अन्तःस्थ वर्ण ↓ य्, र्, ल्, व्

4. दिए गए शब्दों में आए हुए स्वरों को क्रम में लिखे

क) रघुपति → अ, उ, अ, इ
ख) बुद्धि → उ, इ
ग) महत् → अ, अ
घ) युष्मद् → उ, अ
ङ) वानर → आ, अ, अ
च) प्रसाद → अ, आ, अ
छ) गोविन्द → ओ, इ, अ
ज) मनस्विन् → अ, अ, इ

5. दिए गए शब्दों में आए हुए व्यंजनों को क्रम में लिखे।

क) प्रभु → प्, र्, भ्
ख) ज्योति → ज्, य्, त्
ग) ब्राह्मण → ब्, र्, ह्, म्, ण्
घ) अस्मद् → स्, म्, द्
ङ) राष्ट्र → र्, ष्, ट्, र्
च) वस्त्र → व्, स्, त्, र्
छ) उत्कण्ठा → त्, क्, ण्, ठ्
ज) वाचस्पति → व्, च्, स्, प्, त्

कुछ शब्दों के अर्थ याद करिये।

1) एष: → यह (पुं०)
2) एषा → यह (स्त्री०)
3) स: → वह (पुं०)
4) सा → वह (स्त्री०)
5) च → और
6) ते → वे दो (स्त्री०)
7) तौ → वे दो (पुं०)
8) एते → ये (पुं०)
9) ता: → वे (स्त्री०)
10) एता: → ये (स्त्री०)